

HINDI FILE



**DREAM**  
FOR NATION



**DARE**  
TO SERVE



**DELIVER**  
WITH INTEGRITY

# DAILY PRACTICE QUESTIONS

**BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM**

DATE : **JULY 21, 2026**



Comprehensive  
Coverage



Exam-Focused  
Analysis



Concept Clarity  
& Insights



Practice MCQs  
with Explanation



Daily Updates,  
Better Results



**CONTACT INFO:**

+91 92896 33341 | +91 96679 33341



**EMAIL ID:**

info@sixsigmaias.com



**WEB PAGE:**

www.sixsigmaias.com



**ADDRESS:**

C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,  
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

## दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

### 1. गुप्त साम्राज्य के प्रशासनिक तंत्र के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कुमारामात्य का पद विशेष रूप से शाही परिवार के सदस्यों के लिए आरक्षित था और इसे वंशानुगत अधिकारियों द्वारा नहीं संभाला जा सकता था।
2. गुप्त शिलालेख संकेत देते हैं कि कुछ उच्च रैंकिंग वाले अधिकारी एक साथ नागरिक के साथ-साथ सैन्य पद भी संभाल सकते थे।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) दोनों
- (c) कोई नहीं
- (d) उपलब्ध साक्ष्य से निर्धारित नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a) केवल एक

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 गलत है।** कुमारामात्य गुप्त प्रशासन के सबसे ऊंचे अधिकारियों में से थे, लेकिन यह पद विशेष रूप से राजकुमारों या शाही परिवार के सदस्यों तक सीमित नहीं था। साक्ष्य यह भी बताते हैं कि बाद के गुप्त काल में कुछ पद धीरे-धीरे वंशानुगत चरित्र के हो गए थे।
- **कथन 2 सही है।** इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख जैसे गुप्त शिलालेख संकेत देते हैं कि कुछ अधिकारियों ने कई प्रशासनिक और सैन्य जिम्मेदारियों का निर्वहन किया, जो गुप्त नौकरशाही की लचीली प्रकृति को दर्शाता है।

अतः, केवल एक कथन सही है।

### 2. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत, निम्नलिखित में से किस संरक्षित क्षेत्र श्रेणी में राज्य को स्वामित्व के अनिवार्य हस्तांतरण के बिना, वैधानिक प्रतिबंधों के अधीन, कानूनी रूप से निजी भूमि शामिल हो सकती है?

- (a) राष्ट्रीय उद्यान (National Park)
- (b) वन्यजीव अभ्यारण्य (Wildlife Sanctuary)
- (c) संरक्षण रिजर्व (Conservation Reserve)
- (d) सामुदायिक रिजर्व (Community Reserve)

उत्तर: (d) सामुदायिक रिजर्व (Community Reserve)

स्पष्टीकरण:

- **सामुदायिक रिजर्व (Community Reserves)** निजी या समुदाय-स्वामित्व वाली भूमि पर घोषित किए जाते हैं जहां स्थानीय समुदाय संरक्षण में स्वेच्छा से भाग लेते हैं।
- **वन्यजीव अभ्यारण्यों (Wildlife Sanctuaries)** में शुरू में निजी अधिकार शामिल हो सकते हैं, लेकिन उन्हें अलग तरह से विनियमित किया जाता है और विशेष रूप से स्वेच्छिक निजी स्वामित्व के आसपास डिजाइन नहीं किया जाता है।
- **राष्ट्रीय उद्यानों (National Parks)** की कानूनी व्यवस्था सबसे सख्त होती है, जिसमें अंतिम अधिसूचना से पहले आमतौर पर अधिकारों का निपटान किया जाता है।
- **संरक्षण रिजर्व (Conservation Reserves)** आम तौर पर संरक्षित क्षेत्रों के बगल में सरकार के स्वामित्व वाली भूमि पर घोषित किए जाते हैं।

इसलिए, सामुदायिक रिजर्व स्थिति को सबसे अच्छी तरह संतुष्ट करता है।

### 3. अनिवासी भारतीय (NRI) बैंक खातों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. NRE खाते पर अर्जित ब्याज आम तौर पर भारत में आयकर से मुक्त होता है, बशर्ते खाताधारक FEMA के तहत भारत के बाहर रहने वाले व्यक्ति के रूप में अर्हता प्राप्त करता हो।
2. NRO खाते में पड़ी धनराशि बिना किसी मौद्रिक सीमा या दस्तावेजी अनुपालन के भारत के बाहर स्वतंत्र रूप से प्रत्यावर्तनीय (repatriable) है।
3. FCNR(B) खाता जमाकर्ता को निर्दिष्ट विदेशी मुद्रा और भारतीय रुपये के बीच विनिमय दर में उतार-चढ़ाव से बचाता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक  
(b) केवल दो  
(c) सभी तीन  
(d) कोई नहीं

**उत्तर:** (b) केवल दो

**स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है।** NRE खातों पर ब्याज आम तौर पर पात्र अनिवासियों के लिए भारतीय आयकर से मुक्त होता है।
- **कथन 2 गलत है।** NRO खातों से प्रत्यावर्तन निर्धारित सीमाओं, FEMA नियमों और दस्तावेजी आवश्यकताओं के अधीन है।
- **कथन 3 सही है।** FCNR(B) जमा को निर्दिष्ट विदेशी मुद्राओं में बनाए रखा जाता है; इसलिए, जमाकर्ता को जमा अवधि के दौरान INR मूल्यहास/मूल्यवर्धन से बचाया जाता है।

इस प्रकार, कथन 1 और 3 सही हैं।

#### 4. भारत के संविधान के तहत महाभियोग और हटाने के तंत्र के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. राष्ट्रपति पर केवल संविधान के उल्लंघन के लिए महाभियोग चलाया जा सकता है।
2. राज्य सभा का एक मनोनीत सदस्य राष्ट्रपति की महाभियोग प्रक्रिया में भाग लेने का हकदार है।
3. राज्य विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य राष्ट्रपति की महाभियोग प्रक्रिया में भाग लेते हैं।
4. संविधान महाभियोग के प्रयोजन के लिए "संविधान के उल्लंघन" अभिव्यक्ति को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

**उत्तर:** (b) केवल दो

**स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है।** अनुच्छेद 61 प्रदान करता है कि राष्ट्रपति पर केवल संविधान के उल्लंघन के लिए महाभियोग चलाया जा सकता है।
- **कथन 2 सही है।** दोनों सदनों के सभी सदस्य, मनोनीत सदस्यों सहित, महाभियोग की कार्यवाही में भाग लेते हैं।
- **कथन 3 गलत है।** राज्य विधानसभाओं की महाभियोग में कोई भूमिका नहीं है।
- **कथन 4 गलत है।** संविधान "संविधान के उल्लंघन" वाक्यांश को परिभाषित नहीं करता है।

अतः, दो कथन सही हैं।

#### 5. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

- **अभिकथन (A):** काली कपासी मिट्टी शुष्क मौसम के दौरान गहरी दरारें विकसित करती है, जो स्वाभाविक रूप से मिट्टी के वातन (aeration) में सुधार करती है और स्व-जुताई (self-ploughing) की सुविधा प्रदान करती है।
- **कारण 1 (R1):** इन मिट्टियों में विस्तार करने वाले क्ले खनिजों, विशेष रूप से मोंटमोरिलोनाइट (montmorillonite) का उच्च अनुपात होता है, जो चिह्नित सिकुड़न-सूजन (shrink-swell) व्यवहार प्रदर्शित करते हैं।

- **कारण 2 (R2):** काली कपासी मिट्टी मुख्य रूप से दक्कन ट्रैप बेसाल्ट के तहत क्षेत्रों में पाई जाती है, जिसका अपक्षय (weathering) उनकी खनिज संरचना में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

निम्नलिखित में से कौन सा एक सही है?

- (a) A सही है, और R1 और R2 दोनों सही हैं, और दोनों R1 और R2 सही ढंग से A की व्याख्या करते हैं।
- (b) A सही है, R1 सही है और A की व्याख्या करता है, लेकिन R2, हालांकि सही है, सीधे A की व्याख्या नहीं करता है।
- (c) A सही है, लेकिन R1 और R2 दोनों गलत हैं।
- (d) A गलत है, लेकिन R1 और R2 दोनों सही हैं।

उत्तर: (b)

**स्पष्टीकरण:**

- **अभिकथन सही है।** काली कपासी (रेगुर) मिट्टी गहरी मौसमी दरारें विकसित करती है, जिसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक वातन और स्व-जुताई प्रभाव होता है।
- **कारण 1 सही है और अभिकथन की सीधे व्याख्या करता है।** सिकुड़न-सूजन व्यवहार मॉटमोरिलोनाइट क्ले की प्रचुरता के कारण होता है, जो गीला होने पर फैलती है और सूखा होने पर सिकुड़ती है।
- **कारण 2 भी सही है।** अधिकांश काली मिट्टी दक्कन ट्रैप बेसाल्ट के अपक्षय से उत्पन्न होती है; हालांकि, यह मौसमी टूटने के लिए जिम्मेदार तंत्र के बजाय उनकी उत्पत्ति और वितरण की व्याख्या करता है।

इसलिए, R1 अभिकथन की व्याख्या करता है, जबकि R2 केवल एक संबद्ध तथ्य है न कि प्रत्यक्ष व्याख्या।



## दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

**1. केंद्रीकृत आईटी-सक्षम प्रणाली (CITES) परियोजना के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. CITES परियोजना का उद्देश्य केंद्र सरकार से जुड़े मुकदमों के प्रभावी प्रबंधन और निगरानी के लिए एक एकीकृत डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है।
2. इस मंच का उद्देश्य मंत्रालयों और विभागों के बीच मुकदमेबाजी के रिकॉर्ड को वास्तविक समय (real-time) में साझा करना है।
3. यह परियोजना अंतर-मंत्रालयी कानूनी विवादों का फैसला करने के लिए कानूनी मामलों के विभाग में न्यायनिर्णयन (adjudicatory) शक्तियां निहित करने का प्रस्ताव करती है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

**उत्तर:** (b) केवल दो

**स्पष्टीकरण:**

- **कथन 1 सही है:** CITES का उद्देश्य भारत सरकार के लिए एक एकीकृत मुकदमेबाजी प्रबंधन मंच बनाना है।
- **कथन 2 सही है:** यह मुकदमेबाजी डेटा के वास्तविक समय (real-time) डिजिटल साझाकरण और निगरानी को बढ़ावा देता है।
- **कथन 3 गलत है:** यह परियोजना एक आईटी-सक्षम मुकदमेबाजी प्रबंधन मंच है और किसी भी मंत्रालय को न्यायनिर्णयन शक्तियां प्रदान नहीं करती है।

## 2. ई-ओसीआई (e-OCI) कार्ड के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

- (a) यह OCI धारकों की कानूनी स्थिति को बदले बिना प्रमाणीकरण और सेवा वितरण में सुधार करने के लिए डिज़ाइन किया गया OCI दस्तावेज़ का एक डिजिटल रूप से सत्यापन योग्य संस्करण है।
- (b) यह डिजिटल सत्यापन के माध्यम से भारत के बाहर रहने वाले नागरिकों (OCI) को संसदीय चुनावों में मतदान करने का अधिकार देता है।
- (c) यह डिजिटल नागरिकता की एक नई श्रेणी बनाकर पासपोर्ट अधिनियम की जगह लेता है।
- (d) यह केवल उन देशों में रहने वाले OCI कार्डधारकों को जारी किया जाता है जिनके पास भारत के साथ वीजा-मुक्त व्यवस्था है।

**उत्तर:** (a)

**स्पष्टीकरण:** ई-ओसीआई कार्ड उन्नत सत्यापन सुविधाओं के साथ ओसीआई दस्तावेज़ का एक डिजिटल संस्करण है। यह न तो मतदान का अधिकार देता है और न ही दोहरी नागरिकता बनाता है।

## 3. इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (ICJS) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ICJS पुलिस, अदालतों, जेलों, अभियोजन (prosecution) और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं के बीच डिजिटल अंतरसंचालनीयता (interoperability) सक्षम बनाता है।
2. ICJS के तहत, प्रत्येक भाग लेने वाला संस्थान अपने संबंधित वैधानिक ढांचे के तहत कार्य करना जारी रखता है।
3. ICJS अनिवार्य करता है कि सभी आपराधिक मुकदमे पूरी तरह से वर्चुअल कोर्ट के माध्यम से संचालित किए जाएंगे।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) केवल दो
- (c) सभी तीन
- (d) कोई नहीं

उत्तर: (b) केवल दो

स्पष्टीकरण:

- कथन 1 सही है।
- कथन 2 सही है।
- कथन 3 गलत है: ICJS डिजिटल सूचना के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है; यह वर्चुअल परीक्षणों को अनिवार्य नहीं करता है।

**4. आरबीआई घोटाला मुआवजा ढांचे (RBI Scam Compensation Framework) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन में ग्राहक की देयता, अन्य कारकों के अलावा, उस समय सीमा पर निर्भर करती है जिसके भीतर घटना की सूचना दी जाती है।
2. इस ढांचे के तहत मुआवजा इस बात से परे उपलब्ध है कि ग्राहक ने भारी लापरवाही (gross negligence) के साथ काम किया था या नहीं।
3. इस ढांचे का उद्देश्य देयता निर्धारित करने के लिए एक संरचित तंत्र के माध्यम से डिजिटल भुगतान प्रणालियों में उपभोक्ता के विश्वास को मजबूत करना है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल एक
- (b) सभी तीन
- (c) कोई नहीं
- (d) केवल दो

उत्तर: (d) केवल दो

स्पष्टीकरण:

- कथन 1 सही है।
- कथन 2 गलत है: भारी लापरवाही (gross negligence) ग्राहक को दायी बना सकती है।
- कथन 3 सही है। अतः, कथन 1 और 3 सही हैं।

5. जनरल धीरज सेठ के थल सेना अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. थल सेना अध्यक्ष की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
2. थल सेना अध्यक्ष का कार्यालय स्पष्ट रूप से भारत के संविधान के तहत बनाया गया है।
3. थल सेना अध्यक्ष केंद्र सरकार के नागरिक नियंत्रण के अधीन कार्य करता है।
4. थल सेना अध्यक्ष संविधान के तहत स्थापित राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पदेन (ex-officio) सदस्य होते हैं।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

- (a) केवल दो
- (b) केवल एक
- (c) केवल तीन
- (d) सभी चार

उत्तर: (a) केवल दो

स्पष्टीकरण:

- कथन 1 सही है।
- कथन 2 गलत है: संविधान विशेष रूप से COAS के कार्यालय का सृजन नहीं करता है।
- कथन 3 सही है।
- कथन 4 गलत है: राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद एक कार्यकारी निकाय है, और COAS इसका पदेन संवैधानिक सदस्य नहीं है।

6. निम्नलिखित में से कौन सा ग्रीक द्वीप एजियन सागर में स्थित है और तुर्किये (Türkiye) के दक्षिण-पश्चिमी तट के सबसे निकट है?

- (a) कोर्फू (Corfu)
- (b) क्रीट (Crete)
- (c) रोड्स (Rhodes)
- (d) केफालोनिया (Kefalonia)

उत्तर: (c) रोड्स (Rhodes)

स्पष्टीकरण:

- रोड्स (Rhodes) दक्षिण-पूर्वी एजियन सागर में स्थित है, जो तुर्की तट के करीब है।

- कोर्फू और केफालोनिया आयोनियन सागर में हैं।
- क्रीट एजियन सागर के दक्षिण में स्थित है और तुर्की की मुख्य भूमि से रोड्स की तुलना में दूर है।

## दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

### जीएस पेपर I - भारतीय समाज

1. वैश्वीकरण, शहरीकरण और तकनीकी प्रगति की प्रक्रियाओं ने भारत में सामाजिक स्तरीकरण की प्रकृति को कैसे बदल दिया है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए। (15 अंक | 250 शब्द)

#### नमूना उत्तर

भारत के सामाजिक स्तरीकरण को ऐतिहासिक रूप से जाति, वर्ग, लिंग और क्षेत्रीय असमानताओं द्वारा आकार दिया गया है। समकालीन काल में, वैश्वीकरण, तीव्र शहरीकरण और तकनीकी प्रगति ने इन पारंपरिक संरचनाओं को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है, जिससे नए अवसरों और ताजी असमानताओं दोनों का सृजन हुआ है।

वैश्वीकरण ने विशेष रूप से आईटी, वित्त और सेवा क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का विस्तार किया है। व्यावसायिक गतिशीलता में वृद्धि हुई है, जिससे कई व्यक्तियों को वंशानुगत व्यवसायों से आगे बढ़ने की अनुमति मिली है। साथ ही, वैश्वीकरण ने कुशल और अकुशल श्रमिकों के बीच तथा महानगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच आय की असमानताओं को चौड़ा कर दिया है।

शहरीकरण ने कुछ पारंपरिक सामाजिक बाधाओं को कमजोर किया है। बड़े शहर अधिक गुमनामी प्रदान करते हैं और विविध समुदायों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करते हैं, जो अंतर-जातीय विवाहों और व्यावसायिक विविधीकरण में योगदान देता है। हालांकि, शहरी विकास ने झुग्गी-झोपड़ियों, अनौपचारिक रोजगार और आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक असमान पहुंच के माध्यम से बहिष्करण के नए रूपों को भी जन्म दिया है।

तकनीकी प्रगति ने शिक्षा, शासन और वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने उद्यमियों को सशक्त बनाया है, ई-गवर्नेंस की सुविधा दी है और सेवा वितरण में सुधार किया है। फिर भी, डिजिटल बुनियादी ढांचे तक असमान पहुंच ने एक महत्वपूर्ण डिजिटल विभाजन पैदा किया है, जो विशेष रूप से ग्रामीण आबादी, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को प्रभावित करता है।

इसलिए सामाजिक स्तरीकरण मुख्य रूप से जाति-आधारित होने से विकसित होकर तेजी से बहुआयामी हो गया है, जहां शिक्षा, आय, तकनीकी साक्षरता और नेटवर्क तक पहुंच अवसरों को निर्धारित करती है। फिर भी जाति राजनीतिक गतिशीलता, सामाजिक पूंजी और विवाह के पैटर्न को प्रभावित करना जारी रखती है।

डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, पीएम स्वनिधि और विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं जैसी सरकारी पहल अवसरों तक पहुंच का विस्तार करके इन असमानताओं को पाटने का प्रयास करती हैं।

अंत में, आधुनिकीकरण ने पारंपरिक असमानताओं को खत्म नहीं किया है बल्कि उन्हें अधिक जटिल सामाजिक-आर्थिक पदानुक्रमों में बदल दिया है। समावेशी विकास के लिए शिक्षा, डिजिटल बुनियादी ढांचे, शहरी नियोजन और सामाजिक न्याय तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच सकें।

## जीएस पेपर II - शासन और संविधान

2. "संविधान एक जीवंत दस्तावेज है क्योंकि संवैधानिक नैतिकता लोकतांत्रिक अभ्यास के माध्यम से विकसित होती है।" परीक्षण कीजिए। (15 अंक | 250 शब्द)

### नमूना उत्तर

भारत के संविधान को बदलती राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक वास्तविकताओं का जवाब देने में सक्षम एक गतिशील ढांचे के रूप में डिजाइन किया गया था। संवैधानिक नैतिकता का तात्पर्य केवल कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने के बजाय स्वतंत्रता, समानता, न्याय, बंधुत्व, जवाबदेही और कानून के शासन जैसे संवैधानिक मूल्यों का पालन करना है।

संविधान ने संशोधनों, न्यायिक व्याख्या और लोकतांत्रिक संस्थानों के माध्यम से उल्लेखनीय अनुकूलनशीलता का प्रदर्शन किया है। सुप्रीम कोर्ट ने गोपनीयता, पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक न्याय और चुनावी पारदर्शिता से जुड़े ऐतिहासिक निर्णयों के माध्यम से मौलिक अधिकारों के दायरे का विस्तार किया है। ये विकास दर्शाते हैं कि संवैधानिक सिद्धांत सामाजिक अपेक्षाओं के साथ विकसित होते हैं।

संसद बुनियादी ढांचा सिद्धांत के दायरे में रहते हुए उभरती चुनौतियों का समाधान करने वाले संवैधानिक संशोधनों के माध्यम से भी योगदान देती है। चुनाव आयोग, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक और स्वतंत्र न्यायपालिका जैसे संस्थान जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करके संवैधानिक नैतिकता को सुदृढ़ करते हैं।

लोकतांत्रिक भागीदारी संवैधानिक नैतिकता को और मजबूत करती है। जनहित याचिका, नागरिक समाज की सहभागिता, पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से विकेंद्रीकरण और हाशिए के समुदायों की बढ़ी हुई भागीदारी विस्तारित संवैधानिक मूल्यों को दर्शाती है।

हालाँकि, संवैधानिक नैतिकता को राजनीतिक ध्रुवीकरण, संस्थानों के दुरुपयोग, राजनीति के अपराधीकरण, अभद्र भाषा, कमजोर होती विचार-विमर्श प्रथाओं और बहुसंख्यक प्राथमिकताओं और संवैधानिक सिद्धांतों के बीच संघर्ष जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

न्यायपालिका ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि संवैधानिक नैतिकता के लिए सार्वजनिक अधिकारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे राजनीतिक दबावों के संकेत देने पर भी संवैधानिक मूल्यों के अनुसार कार्य करें। यह दृष्टिकोण अल्पसंख्यक अधिकारों, संघीय संतुलन और शक्तियों के पृथक्करण की रक्षा करता है।

अंततः, संवैधानिक नैतिकता केवल कानूनी प्रावधानों द्वारा नहीं बल्कि नागरिकों, राजनीतिक नेताओं और संस्थानों के बीच संवैधानिक संस्कृति द्वारा बनाए रखी जाती है। संविधान को एक जीवंत दस्तावेज के रूप में संरक्षित करने के लिए निरंतर नागरिक शिक्षा, संस्थागत स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक जवाबदेही आवश्यक हैं।

## जीएस पेपर III - भारतीय अर्थव्यवस्था

3. व्यापक आर्थिक स्थिरता के संकेतक के रूप में भुगतान संतुलन (BoP) के महत्व की चर्चा कीजिए। कौन से नीतिगत उपाय लगातार बाहरी क्षेत्र के असंतुलन को दूर करने में मदद कर सकते हैं? (15 अंक | 250 शब्द)

## नमूना उत्तर

भुगतान संतुलन (BoP) एक निश्चित अवधि के दौरान देश के निवासियों और शेष दुनिया के बीच सभी आर्थिक लेनदेन को दर्ज करता है। इसमें मुख्य रूप से चालू खाता, पूंजी खाता और विदेशी मुद्रा भंडार में परिवर्तन शामिल हैं।

एक स्वस्थ BoP व्यापक आर्थिक स्थिरता, निवेशक विश्वास और टिकाऊ बाहरी क्षेत्र के प्रदर्शन को दर्शाता है। अस्थिर पूंजी प्रवाह द्वारा वित्तपोषित लगातार चालू खाता घाटा अर्थव्यवस्था को विनिमय दर की अस्थिरता और बाहरी झटकों के संपर्क में ला सकता है।

भारत का BoP सॉफ्टवेयर निर्यात, प्रेषण, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और विविध सेवा निर्यात से काफी लाभान्वित होता है। हालांकि, आयातित कच्चे तेल, सोने और पूंजीगत वस्तुओं पर निर्भरता अक्सर व्यापार घाटे को बढ़ा देती है।

बाहरी स्थिरता को मजबूत करने के उपायों में बुनियादी ढांचे में सुधार, रसद सुधार और विनिर्माण विस्तार के माध्यम से निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना शामिल है। निर्यात गंतव्यों और उत्पादों का विविधीकरण सीमित बाजारों पर निर्भरता को कम करता है।

सट्टा पोर्टफोलियो निवेश पर स्थिर FDI को प्रोत्साहित करना दीर्घकालिक पूंजी निर्माण को बढ़ाता है। पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार बनाए रखना वैश्विक वित्तीय अस्थिरता के खिलाफ लचीलापन में सुधार करता है।

राजकोषीय विवेक और मुद्रास्फीति नियंत्रण भी आयात निर्भरता को कम करके और विनिमय दर के विश्वास को संरक्षित करके बाहरी स्थिरता में योगदान करते हैं। मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंकड इंसेंटिव (PLI) योजनाओं जैसी पहलों के तहत नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार और घरेलू विनिर्माण धीरे-धीरे संरचनात्मक व्यापार घाटे को कम कर सकते हैं।

तकनीकी नवाचार, व्यापार सुविधा, डिजिटल सेवाओं के निर्यात और मजबूत वैश्विक मूल्य श्रृंखला एकीकरण भारत के बाहरी क्षेत्र को और मजबूत करते हैं।

इसलिए, BoP मौद्रिक, राजकोषीय और व्यापार नीति का मार्गदर्शन करने वाले एक आवश्यक व्यापक आर्थिक संकेतक के रूप में कार्य करता है। टिकाऊ बाहरी क्षेत्र के प्रबंधन के लिए विकास के उद्देश्यों को विवेकपूर्ण व्यापक आर्थिक नीतियों और विविध अंतरराष्ट्रीय आर्थिक जुड़ाव के साथ संतुलित करने की आवश्यकता है।

Dream | Dare | Deliver

## जीएस पेपर IV - एथिक्स, इंटीग्रिटी एंड एप्टीट्यूड

4. "सत्यनिष्ठा की परीक्षा नियमित प्रशासन के दौरान नहीं होती बल्कि तब होती है जब व्यक्तिगत हित सार्वजनिक कर्तव्य से टकराते हैं।" उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए। (10 अंक | 150 शब्द)

## नमूना उत्तर

सत्यनिष्ठा मूल्यों, निर्णयों और कार्यों के बीच निरंतरता का प्रतिनिधित्व करती है। लोक प्रशासन में, जब निजी हित आधिकारिक जिम्मेदारियों के साथ संघर्ष करते हैं तो नैतिक दुविधाएं अक्सर उत्पन्न होती हैं।

एक लोक सेवक को राजनीतिक दबाव, भाई-भतीजावाद, वित्तीय प्रलोभन या हितों के टकराव से जुड़ी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए व्यक्तिगत लाभ की तुलना में संवैधानिक मूल्यों, जन कल्याण और कानूनी दायित्वों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता होती है।

उदाहरणों में अवैध आदेशों को अस्वीकार करना, पारदर्शी खरीद सुनिश्चित करना, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को रोकना और संस्थागत दबाव के बावजूद भ्रष्टाचार की रिपोर्ट करना शामिल है। जो अधिकारी अनैतिक प्रथाओं का विरोध करते हैं वे जनता के विश्वास और संस्थागत विश्वसनीयता को मजबूत करते हैं।

सत्यनिष्ठा जवाबदेही, निष्पक्षता, वस्तुनिष्ठता और साहस के साथ निकटता से जुड़ी हुई है। यह प्रशासकों को कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा करते हुए साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है।

आचरण नियम, सतर्कता प्रणाली, सामाजिक लेखा परीक्षा, व्हिसलब्लोअर संरक्षण, ई-गवर्नेंस और पारदर्शिता कानून जैसे संस्थागत तंत्र नैतिक व्यवहार को मजबूत करते हैं। हालांकि, स्थायी सत्यनिष्ठा केवल बाहरी प्रवर्तन के बजाय व्यक्तिगत नैतिक दृढ़ता पर निर्भर करती है।

लोक सेवकों को सहानुभूति, व्यावसायिक क्षमता और संवैधानिक नैतिकता के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करनी चाहिए। नैतिक नेतृत्व एक ऐसी संस्कृति का निर्माण करता है जहाँ ईमानदारी व्यक्तिगत अपवाद के बजाय संगठनात्मक अभ्यास बन जाती है।

इस प्रकार, सत्यनिष्ठा सुशासन की आधारशिला बनी रहती है क्योंकि यह सार्वजनिक प्राधिकरण को जन विश्वास में बदलती है और यह सुनिश्चित करती है कि लोकतांत्रिक संस्थान संवैधानिक मूल्यों के अनुसार कार्य करें।

## समसामयिक मामले

5. भारत के संघीय राजकोषीय बेमेल (fiscal mismatch) की प्रकृति पर चर्चा कीजिए। ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज राजकोषीय असंतुलन को दूर करने में संवैधानिक संस्थानों और नीतिगत सुधारों की भूमिका का परीक्षण कीजिए। (15 अंक | 250 शब्द)

## नमूना उत्तर

राजकोषीय संघवाद संघ और राज्यों के बीच राजस्व जुटाने की शक्तियों और व्यय की जिम्मेदारियों को संतुलित करना चाहता है। भारत के संवैधानिक ढांचे से ऊर्ध्वाधर राजकोषीय असंतुलन पैदा होता है, जहां संघ के पास अपेक्षाकृत अधिक कराधान शक्तियां हैं जबकि राज्य पर्याप्त व्यय जिम्मेदारियों को निभाते हैं, और क्षैतिज राजकोषीय असंतुलन, जो राज्यों के बीच भिन्न राजकोषीय क्षमताओं से उत्पन्न होता है।

वित्त आयोग आय की दूरी, जनसांख्यिकी कारकों, वन और पारिस्थितिकी, कर प्रयास और राजकोषीय अनुशासन जैसे वस्तुनिष्ठ मानदंडों के आधार पर कर हस्तांतरण और अनुदान-सहायता के माध्यम से इन असंतुलनों को संबोधित करता है। यह सहकारी संघवाद को संरक्षित करते हुए इकिटी को बढ़ावा देता है।

वस्तु एवं सेवा कर (GST) की शुरुआत ने एक सामंजस्यपूर्ण अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था बनाकर भारत के राजकोषीय ढांचे को मौलिक रूप से बदल दिया। GST परिषद एक महत्वपूर्ण संस्थागत नवाचार का प्रतिनिधित्व करती है जहां संघ और राज्य संयुक्त रूप से अप्रत्यक्ष कर नीति निर्धारित करते हैं। हालांकि, मुआवजे, राजस्व निश्चितता और राजकोषीय स्वायत्तता के संबंध में चिंताएं उभरी हैं।

संघीय राजकोषीय बेमेल इसलिए भी उत्पन्न होता है क्योंकि राज्यों को स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पुलिस और स्थानीय शासन में महत्वपूर्ण व्यय जिम्मेदारियों का वहन करना पड़ता है, जबकि कई उत्थानशील कराधान स्रोत संघ के पास रहते हैं। हस्तांतरण पर यह निर्भरता नीतिगत लचीलेपन और दीर्घकालिक राजकोषीय योजना को बाधित कर सकती है।

इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए अनुमानित कर हस्तांतरण, राज्य कर प्रशासन को मजबूत करना, अधिक राजकोषीय पारदर्शिता, बेहतर उधार अनुशासन और राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से स्थानीय सरकारों को सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

प्रदर्शन-लिंकड अनुदान, बेहतर डेटा-संचालित राजकोषीय प्रबंधन और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का युक्तीकरण राजकोषीय दक्षता में और सुधार कर सकता है। GST परिषद जैसे संस्थानों के भीतर सहकारी निर्णय लेने को मजबूत करना राजकोषीय संघवाद को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

अंत में, राष्ट्रीय आर्थिक स्थिरता को राज्यों के लिए सार्थक राजकोषीय स्वायत्तता के साथ संतुलित करने के लिए भारत के संघीय राजकोषीय ढांचे को लगातार विकसित होना चाहिए। समावेशी विकास प्राप्त करने और सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद की भावना को मजबूत करने के लिए एक पारदर्शी, नियम-आधारित और सहकारी ढांचा अपरिहार्य है।

